BSKC-112

स्नातक कार्यक्रम
(**BSKC 112**)

पाठ्यक्रम – BSKC-112
संस्कृत व्याकरण

सत्रीय कार्य
(जुलाई–2025 एवं जनवरी–2026 सत्र के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.के.सी–112
संस्कृत व्याकरण

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम – **BSKC-112**
संस्कृत व्याकरण
पाठ्यक्रम कोड : **BSKC–112/2025–2026**

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (**TMA**) है । सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं । सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे ।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं । यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें ।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िये :

1.) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनाँक लिखिए ।

2.) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनाँक : .....

<u>सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि</u>
जुलाई 2025 सत्र के लिए : 30 अप्रेल 2025
जनवरी 2026 सत्र के लिए : 30 सितम्बर, 2026

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1. अध्ययनः सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए । फिर इससे संबंधित इकाईयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए । अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ विशेष बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढ़ग से व्यवस्थित कीजिए ।
2. अभ्यासः उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए । अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिन्दु पर विस्तार से विचार कीजिए । निबन्धात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरम्भ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए । उत्तर के आरम्भिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए । मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढ़ग से प्रस्तुत करें । उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए ।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढ़ग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियों न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें ।

3. प्रस्तुतिः जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ, तो उसे साफ़ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए ।

शुभकामनाओं के साथ ।

नोट : याद रखें कि विश्वविद्यालय के नए नियमानुसार परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

संस्कृत व्याकरण
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : BSKC-112
पाठ्यक्रम शीर्षक : संस्कृत व्याकरण
सत्रीय कार्य: BSKC-112/TMA/2025-2026

पूर्णांक: 100

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रत्याहारों के वर्ण लिखिए? (2X3=6)

(1) अल् (3) हल् (5) अच्
(2) एच् (4) अण् (6) अट्

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वर्णों के उच्चारण स्थान एवं आभ्यन्तर प्रयत्न लिखिए? (2X3=6)

(1) प (3) ए (5) र
(2) ट (4) च (6) थ

3. निम्मनलिखित में से दो संज्ञाओं को सूत्र एवं उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए? (2X3=6)

(1) सहिंता (2) संयोग (3) लोप (4) अनुनासिक

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए? (4X2=8)

(1) कर्तुरीप्सितमं कर्म
(2) कर्तरीकर्णयोस्तृतीया
(3) षष्ठी शेषे
(4) कर्मणा यमिभप्रैति स सम्प्रदानम्

5. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के चिह्नांकित पदो में कारक एवं विभक्ति को स्पष्ट करें? (4X2=8)

(1) गां दोग्ध पयः
(2) ग्रामम् अजां वहति
(3) तण्डुलान् ओदनं पचित
(4) वृक्षम् अवचिनोति फलानि

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पदों का सूत्र निर्देशपूर्वक संधिविच्छेद कीजिए (2X3=6)

(1) त्वङ्करोषि (2)निश्छलः

(3) विष्णोऽत्र (4) मैवम्

(5) दध्यत्र (6) पावकः

7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए। (4X2=8)

(1) अतो रोरप्लुतादप्लुते

(2) आद्गुणः

(3) एङः पदान्तादति

(4) झलां जश् झशि

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों में सूत्रोल्लेख पूर्वक समास स्पष्ट कीजिए (4X2=8)

(1) भूतपूर्वः

(2) अधिहरि

(3) निर्मक्षिकम्

(4) अक्षशौंडः

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों में सूत्रोल्लेखपूर्वक समास स्पष्ट कीजिए (4X2=8)

(1) कंठेकालः (2) अपुत्रः

(3) शिवकेशवौ (4) पाणिपादम्

10. तुमुन् अथवा क्त्वतु प्रत्तयों का संक्षिप्त विवेचन करें। (6)

11. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन में प्रकृति-प्रत्यय स्पष्ट करें। (2X3=6)

(1) कौशाम्वी (3) आदित्यः (5) ग्रामीणः

(2) वैनतेयः (4) शिक्षकः (6) शैवः

12. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सिद्धि करें। (3.5X2=7)

(1) अजा (2) भवन्ति (3) युवतिः (4) नारी

13. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन सूत्रों की व्याख्या कीजिए। (4X3=12)

(1) शाङ्र्गरवाद्यञो ङीन् (2) तव्यत्तव्यानीयरः

(3) षिद्गौरादिभ्यश्च (4) निष्ठा

(5) अजाद्यतष्टाप् (6) अचो यत्

14. 'अ' अथवा "ए" के कितने प्रकार होते हैं आरेख के माध्यम से स्पष्ट करे। (5)